CIJ-02

June - Examination 2019

CIJ Examination

ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

Paper - CIJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पंचांग किसे कहते हैं?

(ii) षड् ऋतुओं के नाम लिखिए।

(iii) सौर मास किसे कहते हैं?

(iv) यदि दशमी तिथि यात्रा हेतु अशुभ है तो किस पदार्थ का सेवन कर यात्रा करनी चाहिए?

(v) क्रूर वार कौन से कहलाते हैं?

(vi) प्रदोषकाल किसे हैं?

(vii) अश्वनी नक्षत्र की आकृति किस प्रकार की मानी गयी है?

(viii) जन्मनक्षत्र किन कार्यों हेतु अनिष्ट माना गया है?

(ix) करण किसे कहते हैं?

(x) अभिजीत मूहुर्त किसे कहते हैं?

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) उत्तरायण तथा दक्षिणयन में क्या अन्तर है?

3) अमावस्या एवं पूर्णिमा के भेदों का उल्लेख कीजिए।

4) पक्ष रन्ध्र तिथि किसे कहते हैं? पक्ष रन्ध्र तिथियों का उल्लेख कीजिए।

5) अभिजित मुहूर्त्त पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

6) घातवार को संक्षेप में समझाइये।

7) दिशाशूल क्या है? समझाइये।

8) पंचकों में करणीय तथा अकरणीय कर्मों का उल्लेख कीजिए।

9) अग्निवास संक्षेप में समझाइये।

खण्ड – स **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) तिथि किसे कहा जाता है? प्रत्येक तिथि के स्वामी एवं निर्दिष्ट कर्मों का वर्णन कीजिए।

11) योग किसे कहते है? प्रत्येक योग, उसके स्वामी एवं फलों का वर्णन कीजिए।

12) नक्षत्र किसे कहते हैं? पंचकादि संज्ञक 13 नक्षत्रों का वर्णन कीजिए।

13) चर कारक ग्रह किसे कहते हैं? उसके भेदों का उल्लेख करते हुए चर कारक ग्रहों का वर्णन कीजिए।